लापरवाही पर तहसील कार्यालयों के लिपिकों के विरुद्ध कार्यवाही

नवभारत न्यूज

बैतूल, 8 सितंबर. सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराएं। 50 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतों का भी प्राथमिकता से निराकरण किया जाएं।

राहत राशि दिए जाने के प्रकरण लंबित न रहे

कलेक्टर ने ली टाइम लिमिट की बैठक

यह निर्देश सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समयसीमा की बैठक में कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी जिला अधिकारियों को दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने 50 दिवस से अधिक की शिकायतों के निराकरण में संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर सभी तहसील कार्यालय के शिकायत शाखा के लिपिकों की एक -एक वेतन वृद्धि रोके जाने का नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को सख्त निर्देशित किया कि लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण कराएं। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को भी किया ताकीद किया कि अपने अधीनस्थ ब्लॉक स्तर के अधिकारियों कर्मचारियों की सतत मॉनिटरिंग कर शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराएं। उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को न्यायालयीन प्रकरणों में पूरी गंभीरता से जवाब दावे प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि न्यायालयीन प्रकरणों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में फसल क्षति, मकान क्षति और सर्पदंश में राहत राशि के प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राहत राशि दिए जाने का कोई भी प्रकरण लंबित न रहें। सभी प्रकरणों का पूरी तत्परता से निराकरण किया जाएं। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नरवाई प्रबंधन की तैयारी की भी जानकारी लीं। उन्होंने कहा कि जिले में अधिकांश प्रकरण जंगल में आग लगने के होते हैं। सभी वनमण्डल के अनुविभागीय अधिकारी जंगल की आग पर प्रभावी अंकुश लगाएं। सुनिश्चित करें कि जंगल में आग लगने की घटना न हो।उन्होंने उपसंचालक कृषि को भी निर्देशित किया कि नरवाई प्रबंधन की विकासखंडवार कार्य योजना बनाएं। नरवाई न जलाने के लिए विशेष जनजागृति अभियान चलाए। जिसमें नरवाई जलाने के नुकसान, नरवाई प्रबंधन के लिए सहायक कृषि उपकरण और नरवाई जलाने पर जुर्माना इत्यादि की जानकारी ग्रामीणों को दी जाए। पटवारी, सचिव और कृषि विभाग के एसीटीओ के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाएं। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिला और विकासखंड स्तर पर ई ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संतोषजनक प्रगति नहीं लाने पर सीईओ जनपद चिचोली, सभी एसडीओ फॉरेस्ट, नायब तहसीलदार भैंसदेही का 8-8 दिन का वेतन काटने और उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम भैंसदेही को भी ई ऑफिस की मॉनिटरिंग नहीं करने पर नोटिस देने के निर्देश दिए। अभियोजन अधिकारी को भी ताकीद किया ई ऑफिस प्रणाली का क्रियान्वयन नहीं किए जाने पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पीएफएमई योजना की प्रगति की ली जानकारी

उद्यानिकी विभाग अंतर्गत संचालित पीएफएमई योजना की प्रगति की भी कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जानकारी ली। उन्होंने उप संचालक उद्यानिकी और जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को योजना के प्रकरण शीघ्र स्वीकृत और वितरित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को भी अपने क्षेत्र में सभी उद्यानिकी फसलों की गिरदावरी सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित किया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

सांसद खेल महोत्सव का सुचारू संचालन किया जाए

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया, खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत सांसद खेल महोत्सव 2025 की प्रतियोगिताओं का आयोजन जिले में ग्राम, नगर विकासखंड और जिला स्तर पर 21 सितम्बर से 25 दिसम्बर के मध्य किया जाएगा। कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को आयोजित समयसीमा की बैठक में जिले के सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले खेल महोत्सव का सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित कराने के निर्देश दिए। विभिन्न शासकीय -अशासकीय विभागों और संस्थानों के स्वामित्व वाले खेल मैदानों को जनसहभागिता से व्यवस्थित एवं उपयोगी बनाया जाएं। इसी प्रकार जनसहभागिता से ही खेल सामग्रियों सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जाएं। उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को खेल महोत्सव की सतत मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित किया।

एक नजर में

बरेठा घाट पर ट्रक का टायर फटा, लगा जाम

बैतूल। नागपुर-भोपाल फोरलेन हाईवे पर बरेठा घाट स्थित पुलिया के बीच अचानक ट्रक का टायर फट गया। जिससे पुलिया पर ट्रक फंस गया और हाईवे पर दोनों ओर करीब दो घंटे से लंबा जाम लगा रहा। जाम में सैकड़ों वाहन फंसे रहे और लोग घंटों से परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिया पर ट्रक का टायर बदलने में दिक्कत आने से जाम की स्थिति और ज्यादा गंभीर हो गई। वाहन चालकों का कहना है कि बरेठा घाट पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, जिनकी वजह से आए दिन टायर फटने और हादसों की घटनाएं हो रही हैं। इसके बावजूद विभाग इन गड्ढों की मरम्मत को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है।

पारसडोह पर होगा 7 दिवसीय पितृ शांति यज्ञ

मुलताई। मां ताप्ती नदी पर बने पारसडोह बांध पवित्र क्षेत्र में 12 से 18 सितम्बर तक 7 दिवसीय सर्व पितृ शांति यज्ञ एवं श्रीमद भागवत कथा का आयोजन समस्त पितृों के निमित्त पितृ पक्ष में आयोजन किया गया हैं। जिससे आप पितृ ऋण व अकाल मृत्यु (पितृ)तथा पितृ दोष से मुक्त होकर पुण्य के भागीदार बन सकें एवं अपने सभी पितृों का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें ।कथा वाचक पंडित सुभाष कुम्भारे ने बताया आगामी होने वाले कार्यक्रम में सभी क्षेत्रीय परिजनों के सहयोग से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा जिसमें पितृ आवाह्न,देव पुजन,कलश स्थापना , मुंडन कर्म (पितृों के निमित्त) व दस स्नान सहित अतिरिक्त पुजन क्रम सम्पन्न कराया जाएगा। कुम्भारे ने बताया प्रतिदिन प्रातः काल में पितृ पूजन , दस स्नान, पिण्ड दान, तर्पण और गायत्री यज्ञ सम्पन्न होंगा तथा सायं काल में पितृ के निमित्त पितृ ध्यान, नांदयोग ,और दीप यज्ञ का भी आयोजन किया जाएगा तथा सम्पूर्ण कार्यक्रम और कर्म निशुल्क कराया जायेगा।

लायंस क्लब ने किया शिक्षकों का सम्मान

मुलताई। लायंस क्लब मुलताई ने सोमवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर के आरडी पब्लिक स्कूल में लायंस क्लब का सम्मान किया। लायंस क्लब द्वारा सोमवार को आरडी पब्लिक स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रतीक मेहरूनकर,उप प्राचार्य टर्मिन थॉमस एवं अन्य शिक्षकों का तिलक लगाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

भारत विकास परिषद ने कराई भारत को जानो प्रतियोगिता

मुलताई। भारत विकास परिषद द्वारा अपने संस्कार प्रकल्प के अंतर्गत सोमवार को नगर के 20 से अधिक निजी व शासकीय विद्यालयों में भारत को जानो प्रतियोगिता आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न स्कूलों से एक हजार से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम प्रभारी अभिषेक खंडेलवाल ने बताया प्रत्येक विद्यालय में परिषद के सदस्यों को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। उनकी देखरेख में परीक्षा सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराई गई। प्रतियोगिता विद्यालय स्तर पर आयोजित की गई, जो कि

प्रथम चरण है। आगामी चरण में प्रत्येक विद्यालय से कनिष्ठ वर्ग एवं वरिष्ठ वर्ग के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। विकासखंड स्तर पर विजयी टीमों को आगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। भारत विकास परिषद के प्रमुख प्रकल्प के अंतर्गत 9 सितम्बर को साईं राम मैरिज लॉन में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी ।जिसमे नगर के विद्यालयों की टीमें देशभक्ति समूहगान हिंदी एवं संस्कृत में प्रस्तुत करेंगी। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम को सीधे राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित किया जाएगा। आयोजन में पर्यवेक्षक के रूप में परिषद के सदस्य जिला समन्वयक राजीव जैन,संयोजक संस्कार प्रकल्प मनोज उइके, देवेंद्र धोपाडे, सचिव कन्हैया सोनी , कोषाध्यक्ष संदीप भार्गव, मुकेश जैन, मोनू खंडेलवाल, भारत भूषण चौधरी, राहुल साहू, सुमित पंजाबी, डॉ संदीप बर्डे, गिरीश मगरदे तथा राजेश्वर बुवाड़े उपस्थित रहे।

सांभर का शिकार करने वाले आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। जिले के खमालपुर और चिखली पाझर इलाके में सांभर मांस मामले में वन विभाग ने सोमवार को तीन और आरोपियों को पकड़ा है।

गिरफ्तार हुए आरोपियों के नाम लखन कावड़े, धीरू कावड़े और साहबलाल उइके (निवासी पाझर) हैं। सभी को अदालत में पेश किया गया। डिप्टी रेंजर वर्डे ने बताया कि ये आरोपी अब तक फरार थे। इससे पहले 4 सितंबर की रात हरि पिता भैयालाल और कमल पिता छतरू को पकड़ा गया था। उनके पास से करीब 5 किलो पका हुआ सांभर का मांस बरामद हुआ था। पूछताछ में उन्होंने बताया

था कि उन्होंने अनकावाड़ी गांव के दो और लोगों के साथ मिलकर रानीपुर परिक्षेत्र के दौड़ीकोल इलाके में ढाई-तीन साल की मादा सांभर का शिकार किया और कुल्हाड़ी से काटकर मांस बांट लिया। वन विभाग ने सभी आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 39, 49बी, 50 और 51 के तहत केस दर्ज किया है। पहले पकड़े गए दो आरोपियों को अदालत ने 5 से 8 सितंबर तक फॉरेस्ट रिमांड पर भेजा था। अब तीन और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद कुल पांच लोग हिरासत में आ चुके हैं।

जेएच कॉलेज में बांस कला प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा अल्पावधि रोजगारोन्मुखी, स्व रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के अंतर्गत बांस कला प्रशिक्षण का शुभारंभ सोमवार को किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनिता सोनी ने बांस कला की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष वाणिज्य डॉ. राजेश शेषकर ने प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए बांस कला के क्षेत्र में रोजगार के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। बांस कला प्रशिक्षक ललित सोनी विश्वकर्मा अवॉर्ड से सम्मानित के द्वारा विद्यार्थियों को बांस की वस्तुओं के निर्माण से संबंधित प्रशिक्षण की रूपरेखा साझा की। उक्त कार्यक्रम ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. ऋषिकान्त पंथी के संयोजन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लोकेश नरवरे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. स्वाति लोखंडे, डॉ. अरुणा धांडोले, डॉ. शिवदयाल साहू, प्रो. कीर्ति वराठे, डॉ. शारदा कौशिक, अनिल आठोले एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

चंद्रग्रहण के बाद ताप्ती सरोवर पर उमड़ी भीड़

मुलताई। रविवार को पूर्णिमा की रात लगे चंद्रग्रहण के बाद सोमवार सुबह ताप्ती उदगम सरोवर पर स्नान करने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मान्यता है कि ग्रहण के बाद पवित्र नदियों में स्नान कर पूजा अर्चना कर दान करने से पुण्य फल प्राप्त होता है। रविवार दोपहर 12.57 बजे चन्द्रग्रहण का सूतक लग जाने से मंदिर के कपाट बंद हो गए थे। रात्रि में चंद्र ग्रहण समाप्त होने के बाद सुबह 5.30 बजे मंदिरो के पट खोले गए ।इसके पूर्व ही ब्रम्ह मुहूर्त सरमे ताप्ती सरोवर पर स्नान कर पूजन और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी ।ताप्ती सरोवर में स्नान के लिए नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा बैतूल

छिंदवाड़ा,पांढुरना जिले से भी श्रद्धालु स्नान करने पहुंचे। सरोवर के घाटों पर सुबह से ही स्नान करने वालों की भीड़ लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद मंदिरों में भगवान के दर्शन किए। इस दौरान भगवान की विशेष महारती की गई। श्रद्धालुओं का कहना है कि ग्रहण के बाद स्नान और दर्शन से पुण्य लाभ अर्जित होता है। ग्रहण के बाद पवित्र ताप्ती उदगम सरोवर दोपहर 12 बजे तक स्नान करने वालों कि भीड लगी रही। श्रद्धालुओं ने ताप्ती सरोवर के घाटों पर सुबह से स्नान कर ताप्ती तट स्थित मंदिरो में पूजन किया।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए 10 लाख तक अनुदान का मौका

बैतूल। प्रधानमंत्री सूक्ष्म लघु उद्योग योजना के तहत अब जिले के युवाओं और उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े विभिन्न उद्योग लगाने पर परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की इस योजना में पात्र हितग्राहियों को अधिकतम 10 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। योजना के अंतर्गत राइस मिल, आटा मिल, मसाला चक्की, पापड़ उद्योग, पास्ता उद्योग, नमकीन निर्माण, फल एवं सब्जी प्रसंस्करण इकाइयों, तेल निष्कर्षण संयंत्र, स्नैक्स, बिस्कुट, नूडल्स, चॉकलेट एवं कोको उत्पाद, सोया उत्पाद, डायबिटिक फूड सहित कई प्रकार के उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं ।खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में इच्छुक युवा और उद्यमी यदि आम, संतरा, नींबू, टमाटर, करेला, अमरूद, आंवला जैसे फलों एवं सब्जियों से जूस, कैंडी, आचार, मुरब्बा, पाउडर या अन्य उत्पाद तैयार करना चाहते हैं, तो उन्हें भी योजना का लाभ मिल सकेगा। उद्यान विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार योजना का उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना और कृषि उत्पादों का मूल्यवर्धन करना है।

मंच के पास पेविंग ब्लॉक उखड़ने से नाराजगी

सारनी। पाथाखेड़ा क्षेत्र के प्रवासियों ने ठेकेदार-इंजीनियर पर लगाए आरोप, नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 24 में मंच के पास महज तीन वर्ष पूर्व बिछाए गए पेविंग ब्लॉक अब उखड़ने लगे हैं। प्रवासियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि लाखों रुपये की लागत से किए गए इस कार्य में इंजीनियर और ठेकेदार की मिलीभगत से भारी अनियमितताएँ बरती गई थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली के आने-जाने से ब्लॉकों का उत्थान-पतन होना स्वाभाविक है, लेकिन यहाँ तो मात्र कुछ सालों में ही ब्लॉक

जगह-जगह से निकलने लगे हैं। उनका कहना है कि ब्लॉक के नीचे स्टोन डस्ट की उचित मात्रा नहीं डाली गई, न ही जमीन को सही तरीके से समतल कर भराव किया गया व सरिया कम लगाई गई यही कारण है कि पेविंग ब्लॉकों की छज्जियाँ उड़ रही हैं और आए दिन ब्लॉक ढीले होकर बाहर निकलते जा रहे हैं। प्रवासियों ने इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं और जिम्मेदारों से जाँच कर दोषियों पर कार्रवाई की माँग की है।

विशाल चंद्र ग्रहण की अद्भुत घटना, नगर में जनमानस ने देखा पर्वतारोहण

आमला। रविवार रात आकाश में एक अनोखा और मोहक नजारा देखने को मिला, जब चंद्रमा पर ग्रहण लगा। यह चंद्र ग्रहण लगभग 3 घंटे तक चला, जिसमें चंद्रमा पूरी तरह से पृथ्वी की छाया में डूब गया। इस खगोलीय घटना को देखने के लिए नगर में हजारों लोग ने रातभर जागकर अपने-अपने स्थान से चंद्र ग्रहण का अवलोकन किया।

खगोलविदों ने बताया विशेष जानकारी- विज्ञानियों ने बताया कि यह चंद्र ग्रहण पूर्ण ग्रहण था, जिसमें चंद्रमा पूरी तरह

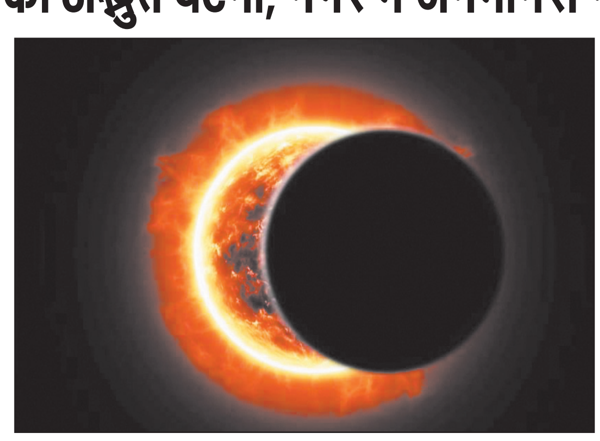

पृथ्वी की छाया में चला गया। ग्रहण की यह घटना वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विशेषज्ञों ने लोगों को सुरक्षित तरीके से अवलोकन करने के निर्देश दिए।

पूजा-अर्चना का माहौल

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोग चंद्र ग्रहण को धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानते हैं। कई परिवारों ने इस पावन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना कर, व्रत रखकर अपने घरों को शुद्ध किया ।ग्रहण के दौरान मंदिरों के पट बंद कर दिए गए थे और मंदिरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए और ग्रहणकाल में मंत्रोच्चारण का सिलसिला जारी रहा।

जनता ने चंद्र ग्रहण के अद्भुत दृश्य का आनंद लेते हुए इसे एक दिव्य अनुभव बताया। इस बार का चंद्र ग्रहण लाखों लोगों के लिए एक यादगार खगोलीय घटना बनकर उभरा।

जांच सभी मानकों पर खरा उतरा सड़क निर्माण कार्य, विशेषज्ञों ने बताया गुणवत्तापूर्ण

3 करोड़ से बन रही वाइट टॉपिंग सड़क की कोर कटिंग कर टेस्टिंग

बैतूल। शहर के लल्ली चौक से नेहरू पार्क चौपाटी तक करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से बन रही वाइट टॉपिंग सड़क निर्माणाधीन है।

सड़क की 40 से 50 वर्षो तक बनी रहती है मजबूती

सेम्पल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा

हाल ही में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर कुछ समाचार सामने आए थे, जिनमें आरोप लगाया गया था कि निर्माण मानक के अनुरूप नहीं हो रहा है। हालांकि लोक निर्माण विभाग ने इन खबरों को पूरी तरह असत्य

बताते हुए स्पष्ट किया है कि सड़क की गुणवत्ता सभी निर्धारित मानकों पर खरी उतरी है। कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी श्रीमती प्रीति पटेल ने जानकारी दी कि विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कुछ समय पहले लल्ली चौक से नेहरू पार्क चौपाटी तक बनने वाली इस 3 करोड़ की सड़क का भूमि पूजन किया था। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और समय-समय पर इसकी निगरानी की जाए। विधायक श्री खंडेलवाल ने आमजन की समस्या और सड़क की उपयोगिता को देखते हुए निर्माण एजेंसी को जांच के निर्देश दिए थे। इसी के पालन में एजेंसी ने निर्माणाधीन सड़क से कोर काटकर सैंपल लिए और उन्हें प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया। रिपोर्ट में सड़क की गुणवत्ता पूरी तरह सही पाई गई। उन्होंने बताया कि वाइट टॉपिंग सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी की निगरानी में किया जा रहा है। समय-समय पर इंदौर और दिल्ली से आए टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ भी निर्माण का निरीक्षण कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने निर्माण कार्य को उच्च गुणवत्ता का बताया और कार्य की सराहना की। वाइट टॉपिंग सड़क की मजबूती लगभग 40-50 वर्ष तक बनी रहती है। निर्माण के दौरान कंक्रीट डालने के एक दिन बाद ही जॉइंट काट दिए जाते हैं, जिससे सड़क में दरारें न पड़ें।

क्या है वाइट टॉपिंग सड़क

वाइट टॉपिंग तकनीक के तहत पहले से बनी डामर सड़क को उखाड़कर उस पर कंक्रीट की परत डाली जाती है। इसकी लागत सामान्य कंक्रीट सड़क की तुलना में कम आती है, क्योंकि इसमें अतिरिक्त लेयर बनाने की आवश्यकता नहीं होती। वाइट टॉपिंग सड़क की मजबूती लगभग 40-50 वर्ष तक बनी रहती है। निर्माण के दौरान कंक्रीट डालने के एक दिन बाद ही जॉइंट काट दिए जाते हैं, जिससे सड़क में दरारें न पड़ें।

लगातार बिजली फाल्ट से जनता परेशान

सारनी। पाथाखेड़ा क्षेत्र में बस स्टैंड के पास अक्सर रात में बिजली के तारों से चिंगारी देखी गई है। ऐसी चिंगारी कई जगहों पर देखी जा रही है।

जिसके बाद फॉल्ट होकर बिजली गुल हो जाती है। हर वार्डों में बिजली कटौती से लोग परेशान नजर आए इस विषय पर उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप की जनता ने मांग की है ।क्षेत्र में लगातार हर दिन बिजली फाल्ट होने से आम जनता बेहाल है। चाहे रात हो या दिन, बार-बार आ रही दिक्कतों से नागरिकों का जीना दुश्वार हो गया है। लोग रोजाना बिजली विभाग को शिकायतें दर्ज करा रहे हैं, मगर अब तक न तो समस्या का स्थायी समाधान निकला है और न ही किसी अधिकारी ने जिम्मेदारी लेने का

साहस दिखाया है। जानकारी के अनुसार, बिजली व्यवस्था में लापरवाही और अनियमित रखरखाव के चलते गंभीर स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसके बावजूद विभागीय अमला कार्रवाई करने के बजाय जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ता नजर आ रहा है। ऐसी स्थिति में बड़े हादसों और दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि उच्च प्रशासनिक अधिकारी तत्काल संज्ञान लें और दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई करें। जनता का कहना है कि बिजली जैसी मूलभूत सुविधा में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए और अब आवश्यक है कि प्रशासन जनता के हित में ठोस कदम उठाए।